ब्रिटिश काल में
(स्वतंत्रता से पूर्व) शिक्षा

Dr. Mukesh Pancholi

चार्ल्स वुड घोषणा पत्र (19 जुलाई 1854) –

- 100 अनुच्छेद
- Board of Control के प्रधान चार्ल्स वुड द्वारा घोषणा
- भारतीय शिक्षा का मेग्नाकार्टा

मुख्य बिन्दू -

1. पाश्चात्य शिक्षा के प्रसार को सरकार अपना उद्देश्य बनाए।
2. P – Primary, S – Secondary, U – University
   - Primary स्तर की शिक्षा स्थानीय भाषा में दी जाए।
   - Secondary/माध्यमिक स्तर की शिक्षा स्थानीय व अंग्रेजी दोनों में दी जाए।
   - विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा अंग्रेजी भाषा में दी जाए।

Dr. Mukesh Pancholi

3. लंदन विश्वविद्यालय के आधार पर Bombay, Kolkata & Chennai में एक-एक विश्वविद्यालय स्थापित किए जाए, जिनमें कुलपति, उपकुलपति, सीनेट व विधि सदस्यों की व्यवस्था की जाए। (1857 में ये विश्वविद्यालय खोले गए)
4. Bombay, Kolkata, Chennai, Punjab, उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत में लोक शिक्षा विभाग की स्थापना की जाए, जो कि एक निदेशक के अधीन रहे।
5. निजी प्रयत्नों को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान दिए जाए।
6. महिला शिक्षा को समर्थन दिया जाए।
7. तकनीकि व व्यावसायिक विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाए।

Dr. Mukesh Panchal

- चार्ल्सवुड की सभी सिफारिशों को मान लिया गया।
- 1855 में लोकशिक्षा विभाग की स्थापना कर दी गई।
- बैथुन के प्रयासों से महिला पाठशालाओं की स्थापना कर दी गई।

हंटर शिक्षा आयोग (1882 to 1883) –

- W.W. Hunter (हंटर) की अध्यक्षता में यह शिक्षा आयोग लाया गया, जो कि प्राथमिक व जिला स्तर की शिक्षा से संबंधित था।
- इस समय भारत का वायसराय – रिपन था।

Dr. Mukesh Pancholi

मुख्य बिन्दू –

1. प्राथमिक स्तर की शिक्षा में सुधार किया जाए और प्राथमिक स्तर की भाषा मातृभाषा हो।
2. जिला स्तर पर व हाई स्तर की शिक्षा दो प्रकार की व्यवस्था लागू कर दी जाए –
   i. व्यावसायिक शिक्षा
   ii. साहित्यिक शिक्षा
3. साहित्यिक शिक्षा के आधार पर विश्वविद्यालय में प्रवेश दिया जाए।
4. स्त्री शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए।
5. शिक्षा में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई जाए।

Dr. Mukesh Pancholi

हंटर शिक्षा आयोग की सिफारिश के बाद माध्यमिक व कॉलेज स्तर पर शिक्षा में विस्तार हुआ, 1882 में पंजाब विश्वविद्यालय व 1887 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

थॉमस रेले कमीशन (1902) या भारतीय विश्वविद्यालय आयोग (1904) –

- सितम्बर, 1901 में कर्जन द्वारा शिमला के एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- 1902 में सर टॉस रैले की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय आयोग की स्थापना की गई, इस आयोग में 2 भारतीय सदस्य भी शामिल थे।

Dr. Mukesh Pancholi

1. सैयद हुसैन बिलग्रामी
2. गुरुदास बनर्जी

- टॉमस रैले की सिफारिशों के आधार पर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904 पारित किया गया, जो कि उच्च शिक्षा व विश्वविद्यालय में सुधार से संबंधित था।

मुख्य बिन्दू –

1. विश्वविद्यालयों में शोध कार्य को बढ़ाया जाए।
2. विश्वविद्यालयों के अधीन की सं. को 50 से कम व 100 से अधिक नहीं होनी चाहिए।
3. अधिछात्र सरकार द्वारा मनोनीत होने चाहिए और इनकी नियुक्ति 6 वर्ष के लिए की जानी चाहिए।

Dr. Mukesh Pancholi

4. सीनेट द्वारा प्रस्तावित सुझावों पर सरकार को वीटों का अधिकार होना चाहिए।
5. वायसराय विश्वविद्यालयों की सीमाएं निश्चित कर सकेगा।

- राष्ट्रवादी नेताओं ने इस आयोग का विरोध किया क्योंकि इस अधिनियम के माध्यम से कर्जन भारत में बढ़ रही राष्ट्रवादी भावना पर नियंत्रण स्थापित करना चाहता था।
- विश्वविद्यालय अधिनियम के माध्यम से शिक्षा पर 5 लाख रुपये खर्च किए जाने की स्वीकृति दे दी गई।

Dr. Mukesh Pancholi

गोपालकृष्ण गोखले जैसे राष्ट्रवादी नेता इस समय नि:शुल्क व अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा दिए जाने की मांग कर रहे थे, क्योंकि 1906 में बड़ौदा रियासत के द्वारा यह व्यवस्था लागू कर दी गई थी। 1913 में शिक्षा पर एक प्रस्ताव आया जिसके तहत प्रत्येक प्रांत में एक-एक विश्वविद्यालय खोलने की व्यवस्था की गई।

शिक्षा संबंधी घोषणा पत्र (1913) –

21 फरवरी 1913 को शिक्षा नीति पर सरकारी प्रस्ताव पारित किया, इसमें अनिवार्य शिक्षा के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया गया। प्रत्येक प्रांत में विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की व प्रांतीय सरकारों को पिछड़े व गरीब वर्गों को नि:शुल्क शिक्षा का प्रबंध करने को कहा।

Dr. Mukesh Pancholi

सेडलर विश्वविद्यालय आयोग (1917-1919) –

- इस आयोग का गठन कलकत्ता विश्वविद्यालय की समस्याओं के समाधान के लिए किया गया था।
- सेडलर आयोग ने प्राथमिक व माध्यमिक स्तर की शिक्षा के संबंध में भी अपने सुझाव दिए थे। सेडलर आयोग ने 1904 के विश्वविद्यालय अधिनियम की आलोचना की।

मुख्य बिन्दू –

1. स्कूल की शिक्षा 12 वर्ष तक होनी चाहिए।
2. इंटरमीडिएट की परीक्षा के बाद ही विद्यार्थियों को विश्विद्यालय में प्रवेश दिया जाना चाहिए।

Dr. Mukesh Pancholi

3. इंटरमीडिएट महाविद्यालय खोले जाने चाहिए। इंटरमिडियल के बाद स्नातक स्तर की शिक्षा 3 वर्ष की होनी चाहिए। भारतीय सदस्य – जियाउद्दीन अहमद, आशुतोष मुखर्जी।
4. माध्यमिक व इंटरमीडिएट संस्थाओं के प्रशासन हेतु माध्यमिक शिक्षा बोर्ड व उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड स्थापना की जानी चाहिए।
5. महिला शिक्षा के लिए कलकत्ता विश्वविद्यालय में महिला शिक्षा प्रसार बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए।

Dr. Mukesh Pancholi

- 1913 - प्रत्येक प्रांत में विश्वविद्याल
- 1917 सेडलर आयोग

निम्न विश्विद्यालयों की स्थापना –

1. 1917 – पटना विश्वविद्यालय
2. 1918 – उस्मानिया (हैदराबाद) विश्वविद्यालय
3. 1920 – अलीगढ़ विश्वविद्यालय
4. 1921 – लखनऊ विश्वविद्यालय

द्वैध शासन के अंतर्गत शिक्षा –

1919 में मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधारों के तहत शिक्षा विभाग को निर्वाचित मंत्रियों के अधीन कर दिया गया।

Dr. Mukesh Pancholi

- केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा के लिए दिए जाने वाले अनुदान को बंद कर दिया गया था, अत: भारत में इस समय शिक्षा का स्तर गिरने लगा।

हर्टोंग समिति (1929) / भारतीय परिनियत आयोग –

1. प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्रीय महत्त्व का विषय मान लिया जाना चाहिए।
2. ग्रामीण स्तर पर विद्यार्थियों को Middle शिक्षा तक पहुँचने के बाद रोक दिया जाना चाहिए।
3. ग्रामीण विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश न देकर उन्हें व्यावसायिक व औद्योगिक शिक्षा दी जानी चाहिए।
4. योग्य विद्यार्थियों को ही उच्च शिक्षा देनी चाहिए।

- इस समय भारत का वायसराय – इरविन था।

Dr. Mukesh Pancholi

वर्धा का मौलिक प्रस्ताव (1937) –

- वर्धा योजना मूलरूप से गांधीजी का विचार था।
- 1937 में गांधी जी ने अपने समाचार पत्र हरिजन में शिक्षा पर एक योजना प्रस्तुत की इसे ही वर्धा योजना कहा गया है।
- डॉ. जाकिर हुसैन के द्वारा इस योजना का प्रारूप तैयार किया गया था।
- वर्धा योजना का मूल सिद्धांत 'हस्त उत्पादक' कार्य था, इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को 7 वर्ष तक उनकी मातृभाषा में अध्ययन की बात कही गई।
- इस समय (भारत छोड़ो आंदोलन के समय) भारत का वायसराय – लिनलिथिगो था।

Dr. Mukesh Pancholi

सार्जेंट योजना (1944) –

- केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने एक राष्ट्रीय शिक्षा योजना तैयारी की। इसे ही सार्जेंट योजना कहा जाता है।
- इस योजना में प्राय: व उच्च माध्यमिक शिक्षा में सुधार किए जाने की बात कही गई व Intermediate व्यवस्था को समाप्त करने की बात कही गई।
- सार्जेंट योजना में 6 से 11 वर्ष तक की आयु के बच्ची के लिए नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा की बात कही गई।

Dr. Mukesh Pancholi

- आजादी से पूर्व/ब्रिटिश काल में शिक्षा विकास पर गठित आयोग / समितियां –

आयोग / समिति का नाम	गठन का वर्ष	गवर्नर जनरल
मैकाले का स्मरण / विवरण पत्र	1835	लार्ड विलियम बैंटिक
वुड डिस्पैच	1854	लार्ड डलहौजी
हंटर आयोग	1882	लार्ड रिपन
रैले (विश्वविद्यालय आयोग)	1902	लार्ड कर्जन
सैडलर आयोग	1917	लार्ड चेम्सफोर्ड
हर्टोंग समिति	1929	लार्ड इरविन
वर्धा योजना	1937	लार्ड लिनलिथिगो
सार्जेंट योजना	1944	लार्ड वेवेल

Dr. Mukesh Pancholi

ब्रिटिश काल में शिक्षा
महत्त्वपूर्ण प्रश्न

Dr. Mukesh Pancholi

1. निम्न कथनों पर विचार कीजिए -

I. वर्ष 1857 में लंदन विश्वविद्यालय की तर्ज पर कलकत्ता, मुंबई व मद्रास विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई।

II. 1855 में लोकशिक्षा विभाग की स्थापना कर दी गई।

III. प्राथमिक स्तर की शिक्षा स्थानीय भाषा, विश्वविद्यालय शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा अंग्रेजी व स्थानीय भाषा में दी जानी चाहिए।

उपरोक्त कथनों में से सही कथनों को छांटिए -

(A) I, II, III

(B) II, III

(C) I, III

(D) I, II

Dr. Mukesh Pancholi

2. निम्न में से ब्रिटिश शैली में निर्मित विश्वविद्यालय है?

(A) कलकत्ता

(B) बॉम्बे

(C) मद्रास

(D) ये सभी

Dr. Mukesh Pancholi

3. भारत में उच्च शिक्षा के लक्ष्य निम्न में से कौन-कौन से है?

1. अधिगम, 2. साम्या, 3. गुण व प्रकर्ष, 4. प्रासंगिकता, 5. मूल्य आधारित शिक्षा, 6. अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए

(UGC NET Nov. 2017)

(A) 1, 2, 5, 6

(B) 1, 2, 3, 4, 5

(C) 1, 2, 3, 4, 5, 6

(D) 1, 2, 5

Dr. Mukesh Pancholi

4. भारत में आधुनिक शिक्षा की जन्मदाता मानी जाने वाली संस्था कौन-सी है?

(A) हिंदू मिशनरी

(B) ईसाई मिशनरी

(C) जैन मिशनरी

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

5. निम्नलिखित में से किस वर्ष कलकत्ता, बॉम्बे, मद्रास के प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालयों को वुड्स डिस्पैच की सिफारिश के बाद स्थापित किया गया था?

(A) 1854

(B) 1857

(C) 1858

(D) 1861

Dr. Mukesh Pancholi

6. निम्न में से किस शिक्षा की जांच हंटर आयोग द्वारा की गई?

(A) दूरस्थ शिक्षा

(B) मुक्त शिक्षा

(C) प्राथमिक शिक्षा

(D) माध्यमिक शिक्षा

Dr. Mukesh Pancholi

7. निम्न में से किस वायसराय के शासनकाल में भारतीय विश्वविद्यालय आयोग की स्थापना की गई –

(A) लॉर्ड डलहौजी

(B) लॉर्ड रिपन

(C) लॉर्ड कर्जन

(D) लॉर्ड बैंटिक

Dr. Mukesh Pancholi

8. 'हर्टोंग समिति' से संबंधित कथनों पर विचार कीजिए –

I. आयोग ने प्राथमिक शिक्षा पर बल दिया।

II. ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को माध्यमिक स्कूल तक की शिक्षा की सिफारिश की।

III. व्यावसायिक व औद्योगिक शिक्षा की निंदा की।

(A) केवल I

(B) I और II

(C) II और III

(D) ये सभी

Dr. Mukesh Pancholi

9. कलकत्ता विश्वविद्यालय जांच किस कमीशन के द्वारा की गई?

(A) साइमन

(B) सैडलर

(C) कर्जन

(D) मैकाले

Dr. Mukesh Pancholi

10. निम्न में से कौनसा असत्य है?

(A) वर्धा योजना में शिक्षा का माध्यम मातृभाषा करने की सिफारिश की थी।

(B) 7 वर्ष से 14 वर्ष की आयु के लिए नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था, वर्धा योजना में थी।

(C) सभी बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा देने की सिफारिश वर्धा योजना में थी।

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

11. किस आयोग ने 1904 के विश्वविद्यालय अधिनियम की आलोचना की थी?

(A) सैडलर आयोग

(B) रैले आयोग

(C) हर्टोंग समिति

(D) सार्जेंट योजना

Dr. Mukesh Pancholi

12. केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड द्वारा तैयार की गई योजना किस नाम से जानी जाती है -

(A) वर्धा योजना

(B) सार्जेंट योजना

(C) हर्टोंग रिपोर्ट

(D) रैले रिपोर्ट

Dr. Mukesh Pancholi

13. अलीगढ़ विश्वविद्यालय का स्थापना वर्ष है -

(A) 1917

(B) 1918

(C) 1920

(D) 1921

Dr. Mukesh Pancholi

14. मैकाले विवरण के संबंध में सही नहीं है -

(A) आधुनिक भारतीय शिक्षा का महत्त्वपूर्ण घोषणा-पत्र था।

(B) अंग्रेजी शिक्षा के विस्तार से संबंधित था।

(C) भारतीयों को यूरोपिय साहित्य व विज्ञान का ज्ञान देना।

(D) पूर्वाग्रहों पर आधारित मुक्त शिक्षण प्रणाली की अनुशंसा।

Dr. Mukesh Pancholi

15. जिला व हाई स्तर की शिक्षा को दो भागों (व्यावसायिक व साहित्यिक शिक्षा? में बांटने वाले योजना आयोग का नाम बताइए।

(A) हर्टोंग समिति / आयोग

(B) हंटर आयोग

(C) सार्जेंट आयोग

(D) वर्धा योजना

Dr. Mukesh Pancholi